पाठ-10 चंदन की सुगंध फैलाता कर्नाटक प्रदेश

CLASS: V
SESSION NO : 2
SUBJECT : HINDI
CHAPTER NUMBER:10
TOPIC: चंदन की सुगंध फैलाता कर्नाटक प्रदेश
SUB TOPIC: पाठ विश्लेषण एवं शब्दार्थ

शिक्षण उद्देश्य

विद्यार्थियों को कर्नाटक के इतिहास की जानकारी देना ।

पठन एवं लेखन कौशल का विकास करना ।

नए शब्दों के अर्थ जानना।

पाठ - 10

चंदन की सुगंध फैलाता कर्नाटक प्रदेश

भारत के ऐतिहासिक पन्नों पर कर्नाटक का विशिष्ट स्थान है। चोला, पांड्या, पल्लव और राष्ट्रकूट राजवंशों ने कर्नाटक पर शासन किया।

इन्होंने यहाँ के सांस्कृतिक वैभव की शान रखी लेकिन चौदहवीं शताब्दी में होयसल वंश के राजाओं में मतभेद हुआ और उसी का फ़ायदा उठाकर अलाउद्दीन खिलजी और मोहम्मद तुगलक ने आक्रमण कर कला और संस्कृति पर बुरा असर डाला।

कर्नाटक पर विजयनगर के राजाओं ने सौ वर्ष से अधिक समय तक शासन किया।

विजयनगर के ह्रास के बाद मुसलिम शासक हैदरअली ने विभक्त कर्नाटक को एकत्रित किया। उनके पुत्र टीपू सुलतान के काल में इस राज्य का नाम 'मैसूर' पड़ा।

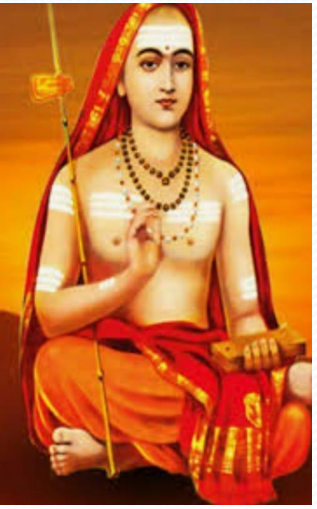

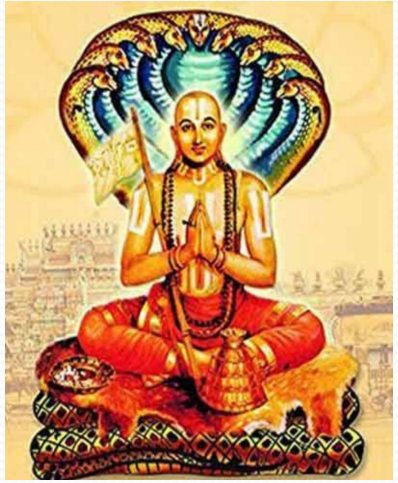

धार्मिक दृष्टि से कर्नाटक का विशेष महत्व है। शैव-वैष्णव, बौद्ध तथा जैन धर्म का यहाँ खूब प्रचार रहा। सद्भाव का प्रचार-प्रसार करने वाले संत शंकराचार्य एवं रामानुचार्ययहाँ बहुत प्रसिद्ध हैं।

सुविख्यात न्यायशास्त्री श्री विश्वेश्वरैया और धार्मिक नेता बसवेश्वरभी इसी राज्य के हैं।कर्नाटक प्राचीन संस्कृति और कला का केंद्र है। यहाँ का श्रवणबेलगोल का 'गोम्मटेश्वर'विश्व प्रसिद्ध है। ‘हलेबीडू' और 'बेलूर' शिल्पकला के उत्तम नमूने हैं।

कर्नाटक चंदन वृक्ष के लिए जाना जाता है। सिलबेकल, सत्यमंगलम, गुंडयाल में चंदन के पेड़ पाए जाते हैं। ये सभी वन पहाड़ियों के बीच घिरे हैं। चंदन की लकड़ी अपनी सुगंध औरऔषधीयगुणों के कारण विश्व प्रसिद्ध है। चंदन की लकड़ी पर बनी नक्काशी और सजावट के सामान की विश्वभर में माँग है।

मैसूर अपनी कला, संस्कृति, वैभव के लिए प्रसिद्ध है। साथ ही 'रेशम' के लिए भी प्रसिद्धहै।

भारतरत्न की उपाधि से विभूषित डॉ. विश्वेश्वरैया के सौंदर्य प्रेम, शिल्प और तकनीक की अद्भुत मिसाल 'मैसूर-वृंदावन उद्यान 'पर्यटकों को मोहित करता है।

अपनीभव्यता, कलात्मकता, संस्कृति एवं साहित्य के अनूठेपन को दर्शाता कर्नाटक आई॰टी॰ तथा बी॰टी॰ क्षेत्र मेंभी अग्रणी है।

नए शब्द एवं उनके अर्थ

ऐतिहासिक - इतिहास से संबंध रखने वाला
विशिष्ट - विशेषता युक्त , असाधारण
शासन - हुकूमत का कार्य, वश में रखना
वैभव - धन- दौलत
शान - ठाटबाट
शताब्दी - सौ वर्षों का समय
मतभेद - मतों का भेद , राय न मिलना
फायदा - लाभ

आक्रमण - हमला
असर - प्रभाव
ह्रास - पतन
विभक्त - अलग किया हुआ
एकत्रित - इकट्ठा किया हुआ
दृष्टि - नज़र
काल - समय

सद्भाव - अच्छी भावना
सुविख्यात - बहुत प्रसिद्ध
प्रसिद्ध - मशहूर
शिल्पकला - हाथो का हुनर , मूर्तिकला
प्राचीन - पुराना
उत्तम - सबसे अच्छा
नक्काशी - उभरा हुआ सजावटी काम
सुगंध - खुशबू

उपाधि - सम्मान
विभूषित - सुशोभित
अद्भुत - आश्चर्यजन
मिसाल - उदाहरण
मोहित - मुग्ध, लुभाना
अनूठेपन - अनोखापन
अग्रणी - आगे

गृहकार्य

शब्दार्थों को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं उन्हें अपनी कॉपी में लिखिए।

शिक्षण की प्रतिफल

देश के इतिहास के प्रति रुचि जागृत हुई ।

कर्नाटक क कला ,संस्कृति ,धर्म ,विकास एवं प्रसिद्ध व्यक्तियों के विषय में गहराई से जानकारी प्राप्त की।

पठन एवं लेखन कौशल में वृद्धि हुई।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP